A statement tenden.



() Property and property and

क्षेत्रिकारकांच्य 5 120-5 121 वि.सं. 2012 विद्यार्थ काम संस्तरकार वृंद्यों 2025-2026 का

#### बीभगविभक्तकांवार्व हारा स्वीकृत कप्यसवेध सिक

রানুমরি আনাম গলন আখানে

## श्रीनिम्बार्क व्रतोत्सव निर्णय



#### बोनिमार्क परेषद, मरापुर

W. 2425424410, 626495169

कार्यकाः। स्रोतः श्रीत्रक्षिकारीकी व्यू के कार्यः, कार्यकाः वयम् १४१४४७ (कार्यकाः)

मान्य कार्यालय मान्य बीमानोषिकारिके रिकर्य पुरित्य स्थाप के सम्पर्ध, सीराम रोड, कार्यु-142141



युद्धानि काम्प्रसार सम्प्रमुक समझन बीनिस्व कविवर्ष



अवन्त बीविस्थित जगदगुरः निम्मीकांवार्य बीटावासर्वेश्वदशदगदेवाचार्य सी सीजी सहाराज

#### "बेक्जिनिकोचनाँ इन्यांकृतियर्थः।"(आट 6/1/40)

केंद्र ऑक्सिक्सि नियमों के प्रातन करने का नाम धर्म और उनने बिनप्रेशायरण बार नाम ही अपनी है। पार्टकरण के निर्मय हेट्र "शास्त्र क्यानं उपनमें से कार्यकार्य क्यानिकती "क्रम मगब्दा क्यानुसार एक साम सम्बद्ध (ज्ञानन ) वीजनाग है।

क्या क्यासन भी सर्वाच्यन जा हो एक क्रमान अंग है। इसके पासन काले से आबः धर्म के अन्य स्वयन राह्यमाँ का पासन हो जाता है। विशिष्ट पर्य दियस पर विशिष्ट नियमों के पासन का नाम सर्तोपकास है। पानों से काव्यन ( पूष्पक ) होका अध्येत् सम्बन्ध भोगों से रहित होका, गुलों के साम बास करने का हो नाम उपकास है। इसों पासनापुत्तर मनकान् को सेवा आयमता, एकाव्यनी, प्रकारकार्ती, रामनकार्य-जन्मावार्ती आदि महोत्तामों का जियान हो आवाद्यार्थ होनिन्यार्थीकार्य प्रमु ने अपने साहकार्यकार नामक प्रन्य में क्रिया है और वहीं का आवाद्य सेवा क्षेत्रीयुन्चर संदित्त, स्वाध्योध्न विन्यु, बैच्याव्यार्थ सुरद्वय महित्री, श्रीविन्यार्थ हम विन्यु आदि प्रनों का निर्माण साम्यार्थिक विद्यार्थ में क्रिया है।

मैंसे देवताओं में किया प्रधान है, कैसे ही कार्त में भी म्हान्यानी इस प्रधान है। एकाद्यों और भगवन महोत्सव एक कर में भिने आते हैं। जब तक एकादानी और धगवनमहोत्सव हों तब तक उनकास एकन कार्तिये (कार्त्सी को असुरों तथा एकादानी में देवताओं को अपने हुई है, दावनों में भी अर्थनात का राज्य असुरों को कार्ता का बारत है। स्पर्ध, सोर, प्राच्य आरंग केय कार्तिय हम कर्तिय हमादानों में दावमी का क्षेत्र किया हम कर्तिय होती में प्रधान स्पर्ध केया को ही अनना क्षीत्र मुक्ति कार्तिय हमादान हों निम्मकार्त्ता की में प्रधान स्पर्ध केया को असना क्षीत्र मुक्ति कार्तिय हमादान हों निम्मकार्त्ता की में स्थित का बद्ध कार्तिय कार्तिय

#### जर्बराज्यतिकाय दलकी यूक्यते गाँद। तय क्रेक्टयार्गि व्यक्तया क्रायती समुखेक्यत्।। (स्थान्यस्य )

जो आर्थराज का आंत्रिकारण ( जारांचन ) कान्ते दक्तारी होस्त पढ़े तो निक्चय हैं। एकादारी को क्षेत्र कर हादारी में हो इन करे । आर्थशाय का नाम है क्यालर । अर्थराजि को अर्थ मान को स्थीतार करने से इस स्पर्श बेक का ही नाम कथाल सेच हैं। तारपर्थ का है कि "पूर्वविद्वतिकारपानी कैम्यालस्य कि राज्यान्य" इस स्वयद पंचारत के कारायानुसार पूर्व किसा लिखे का अरियाण की कैम्यान का राज्यान है। आतः करोप्तानामी, में पूर्व निद्धा दिशि कोक्सर यह निद्धा विशेष की प्राप्त है। 'क्स्परानेपुर निरम्दु, बैस्तान कर्ष सुरद्धा कोन्सी, कोड्सान संक्रित कार्स कर्म में इसे निकास कर में क्रिकेट किन्स प्राप्त है।

> जबुकाक्यमिरोधेन संदेशे कारणी करा। कारण इससी इन स्पोद्यानी, करनद्।।

द्वार सरहती के सकराञ्चल अञ्चलका विशेष क्षेत्रे का क्षणात में उनकार काले उनकेहरों में करना बहुता काहिये।

#### Marie and steel

क्लोतिको जेनुनित्ये क्रिकार्यं नक्षकेंद्रेगैः। यक्ष च विकास क्षेत्र क्ष्मणी गरकारिये ।। इत्यानो अर्थः व्यानुस्थाः सर्वप्रकार द्वित्र ।।( क्रुकार्यः )

क्रम्पेरियमें, मंजूरियमें, जिस्मार्ग, स्वास्त्रियों, सम्म, जिसमा, समानी और पाणवासियों में अरव स्वाइत्यासियों कुम्पाद हैं और सम्पूर्ण क्रमों को पूरण करने पाली हैं कुनका क्रेस करने कर क्रम जिस्साकर के हैं-

- जैसे स्वादसी पूर्ण के दूसरे दिन भी कुछ एकादारी हो, तो वह महाद्वादानी 'कानोदिल'डे 'कक्षपाली हैं।
- स्थान्ती स्था क्रव्ली सम्पूर्ण की और जिल क्रमोड़लों की भी खुक अवस्थित की, तो यह स्वाद्धारकों 'मंजुनियों 'सबी-मार्थ है।
- प्रस्ता करना स्वान्त्रां ही किन प्रायती का क्षम होन्यत साथि तेन में वार्तावृत्ती हो, तो यह महत्त्वहरूती "Savent" काइकानों है।
- माराज्यका का सूचिनंत निर्मेश करि हो हो मारा को वह व्यावहरूपोरी 'कार्यार्थ] में गान में कर्ती आती है।
- जिस्सी की मान के शुक्त कहा की झारहों कींद पुनर्वानु महान में पुक्त हो की पह 'क्या 'नाम महत्वाकरों होती है।
- मिन्तों को पास के मुकल कहा को प्रवासी करि, क्रकार कहा से कुका हो तो वह 'मिनका' जान को पहादाहाओं कही कारों है।
- किसों भी पास के मुक्त का की प्राथमी रोडिओ नक्त में पुक्त के, में का 'क्याओ' पान की काद्यारातीं कारकारों है।
- जिस्सी भी नाम भी मुक्तर पक्त भी आदली पूर्ण 'नकत से पुका हो औ भा 'पाए समिति 'पाएक्समी सक्ताती है।

उपर्युक्त प्रकार कार महाद्वादानी तो तिकियों के योग से बनती है और शेव कार नक्षाद्वादानी नहाजों के चोग से जाती हैं, जतः इन जातों महाद्वादिक्यों में से किसी का भी चोग जा जाने तो शुद्धा केय स्वित श्कादानी को भी कोड्कर नक्षादानी में का करना कालिये। क्या-

#### " And the state of the state of the state of the

अर्थन्य व्यापना प्राचेदकार में भी क्षा क्ष्यां रखना क्ष्यां का मुख्य कार्यक हैं। अर्थिनकार पार पुजानी कैनानों को इन समितानों में भी वर्ध समारा केन पारान काना चाहिने। जैसे भादूनद कुला एक भी राजानी पदि आर्था से अधिक हो, तो श्रीकृष्ण बन्नाप्टमी महोताक दूसरे दिन अध्यां को न सनकर नवनी को राजान कार्यके और अर्थ दिन कर उपचास रखना चाहिने। कारण कि का अध्यां क्ष्यां केन पार पुजान राजानी किन्ना है अर्थ को कोन्नार राजनी को यह राजा कारण श्राहिने। भारों में अध्यान के दिन सुनवार दून रोहिनों नक्षा आदि - बोग भी वर्जों न पाई हों पर राजानी विन्ना होने से को बोद कर नवनी ही मान्य है। इसी प्रकार अन्य सीनों अवस्तियों भी कथाल केन मतानुसार चीट पूर्व विविध से से विन्ना हो तो श्रीराय राजानी केन सुनवा कार्यों को श्रीनुतिन्द जनती केताक हुए पूर्विमा को, श्रीकानन स्वन्ती, मानुबद रुए प्राचोदित को मानज करियें। इसमें किसी प्रकार का स्वीद नहीं होना चाहिने। इसके अर्थिरिका श्रीराया जननती, श्रीजानकों जवनते और श्री आकर्ष जवनिन्नों में भी को कथाल केन मुखन है।

नहीं पूर्वाचार्य सहिता विकित्त सम्बोधन बाल बान से हाते तार्वो का निर्माय कारता के अनुसार समान निष्धाव्योंय के बानों की सुविधा हेतु वहाँ किया जा का है। (साम ही अनिम्बार्क परिषद् के तत्काव्यक्त में "अतिनिम्बार्क असव मध्यल "तथा "अतिनिम्बार्क परिषद के तत्काव्यक्त में "अतिनिम्बार्क असव मध्यल "तथा "अतिनिम्बार्क परिष्ठा मध्यल "हारा विकिन्न वेष्णार्कों के वहाँ आयोजित होने काले भगवा—परिष्ठा कार्यों /अविपुणान साम संबोधीन /अविपुणान साम को सूचना और व्यक्ताव्यक्त स्थान की सूचन की व्यक्ताव्यक स्थान की सुधान की स्थान की स्थान की स्थान की स्थान की स्थान की सुधान की सुधान की स्थान की सुधान की सुधा

व्य बतोत्सन श्रीमृथॅनिद्धानीय गनगातक सम्पूर नगर के अकृति देशित घर कारतवर्ष के मूर्यन्य विद्वानों द्वारा अनुमोदित राज्यवान के एकवान सूर्यमिखानगीत श्रीमर्थिश्वर जवादित्य पंचांग के अनुमार है जो श्रीभगवित्यकर्तावर्ष द्वारा स्वोकृत क्यालबैच विद्यान्त के तर्वक अनुकृत किन्द्र है।

आवन्त सामकानी रक्तते हुए भी फोर्ड मुझे फॉद स्ट्रगर्ड है तो सुचित करने की कुछ अस्तरकों ।

#### श्रीसर्वेश्वरप्रपतितोत्रम्

क्षाची प्रतिकृति हेच्याच्याकी कालहेन्छन्। क्तमा किरमा बाना प्रथमापि दार्दोहः।। १ ।। कारण्यस्थि महर्ताकारम्, वेदलेशेलं क्रमणेरलेदान्। कानिन्दिकले कतरासपीतीहै, सर्वेद्धरं ते शालां प्रपद्धे ।। न ।। केरिकरामां भवनेकरमां विश्वस्य जन्मन्थितभंगहेल्स्। सर्वाधिकार्स न परप्रकार्श सर्वेश्वां न असर्व प्रच्ये () ३ () राबाकलाई बनसायाचे देवास्वर्ग दिव्यगुर्गेकशीला। प्रकारतालामितवानपर्द सबैदारे ने बाला प्रवर्ध ।। ४।। भागोरकारामानामान्योदैः संबोधीतार्थं निक्रितेरपासम्। चोचेपनेपीपितलंक्जिक, सर्वेको व कृत्य प्रवर्ध ॥ ५ ।। गोपालवार्ल स्तान्तपार्ल गयाङ्कालं शतपत्रपालकः। कादोत्सानं विकास विभागतं, यात्रेक्ता में प्रमाणं प्रमासे ।। ६ ।। कार्यदमार्ग कार्यामधारं, कंग्रानाकारं द्वीरविकिताम् । कन्यांक्यांपिक्राक्यारे, सबैद्धां सं आक् प्रमधे ।। ७ ।। विश्वासाम विश्वयमाधिनार्थ, ब्रह्मेन्द्र स्ट्रीर्थनसा राज्यप्र। पेट्रांग्रं आहरिविकारेलं विस्थानकं कुलियातनंत्रक्त गोरोबनालं कृत्यालनेतं, सर्वेडरं तं कार्या प्रपद्मे () ५ () वर्गाविक्तिः कृतमीतिभूवर्गः, भूनामत्त्राहर हृत्वराजव्यक्रतः। हेमांगरं हारकिरोटकीम्त्यं, नेपायमावन्त्रमां नवेहाम् ।। १०।। सर्वेश्वरं सकानानेकानानामार्थः, येतं योगयमात्रां स्वामीर्द्धागम्। बन्दाबनानार्गतैर्मगाहि भगै-गिह्नावधानामहं साम्रा प्रपन्ने ।। ११ ।। दे सर्वता जातत् । सर्वजनमः स्वानन्याकाता । कारण्याकरो जीतः आदिपुरुष्। श्रीकृष्यां गोपीपर्वे । । शानीताण! कुन्छ। चीक्रालयते। मार्कवयासानकः। र्शनोद्धारकः! प्राचनामः। पतितं या प्राप्ति सर्वेषरः!।। १२ ।। हे नारायमाः नार्विहः नाः हे लोजायतेः भूपते । पर्वाचिक्वविकार्याचेक्वविकाः स्रोतः स्थापातः ।। आवन्द्रामुख्यातियां बाट् हे बतबाला तलाकर्तः न्त्रामाधिन्य म कोर्पायती करते करते भवा भारत ।। १३ ।। माला दिला गुरुपर्वाता हिलोप्बरेशा, विद्यापने स्वतनाबन्धाःसविधी से । धाना सन्ता चीनवर्गनगीनस्थानेव, नान्यं स्वर्णीय तत्रपादसर्गनहर्षे ।। १४।। अहो रूपाली। स्वरूपायशेन कें, प्रस्तव को प्राप्तव प्राप्तिकते। यक्षा चनवे विषयंत्र यावयः। रतिनं भवाद्विः तथैव साहयः।। १०।।। क्षीयताने भागमेतताने व प्रप्रभागानम्। एतेन तृष्यतां क्षीयदायिकाः । प्राणनावयः ।। १६।। र्शाः श्रीपन्तिक कंपाद्रचेद्यांचा इक्ष्रीतिकाकंत्राचादेवाकारं विर्वाचन-क्रीसर्वेशस्त्रक्रिकार्यनं सन्दर्भन् ।

सीनुदर्शन मकामतार आकाषाने कादगुर सीभागनितन्त्रमांकर्ग प्रचीत-

#### ।। येवान्तदगरलोकी।।

ब्रानस्वकपत्रमः हरेस्पीनं कारीदसंजीनविधीनधीरमध्। लचुं वि भीषं प्रतिदेशिकनं प्रातृत्वत्यां काक्कावुः॥।॥। असादिकावायरियुम्बसर्वे त्येत्रं विदुर्वे भनवत्वकासास्। पुत्तरण वर्ध किस वर्धमुक्तन प्रमेरवाहुस्त्रकानि बीध्यम्।(2)। क्षवाकृतं प्राकृतकालकान्य कातालकारं स्टब्केटनं करान्। चलक्यनदिनसम्बन्धं सुक्तदिनेदास्य सनेऽपि तथा।।।। क्वनावतौक्ष्मक्तमस्तदोष-वर्षे सकल्यागनुनौकराशिम्। व्यूसिक्तं अता वर्ष कोर्ग्य अवशेष कृत्यं करात्रक्षेणं प्ररिष्॥४॥ नेने हु याने पुत्रवानुम्म पुत्रा विकासकारपुत्रवर्धीनकान्। सामीसक्त्रें: चरिसेविटा साथ स्तरेन देवी सक्तेच्यान्यान्॥ऽ॥ प्रमाणनीयं निश्चां वातेः ज्ञास प्रशानवेऽकान्तानोऽपुतृतेः। सनन्यकार्वेषु विविश्तकार्वाकं वीन्तरराज्याकित्वतत्वकानिते।(६)। क्षर्व हि निकाननदो पनार्नमंत्रुतिस्तृतिन्त्रं निवित्तस्य पस्तुनः। मामत्त्रकत्वादिति केदनिन्तरं गिकपताऽनि कृतिसूत्रकाविता।।?।। पान्य गर्माः कृष्णस्याचीन्त्रत् संदूरम्थे अप्रतिस्पित्रन्तिराज्। भक्ते भाग्ये पालसु मिन्सावित्राहा-वित्याकार्त्रो प्रविभित्तवातकारा वात्।। 811 कुन्यस्य केन्यादियुम्पि अन्यायते क्या नार्वरहेन्त्रियोक्ताव्यन्त्रः। विक्रिक्निक्रविकोर्गक्रकाः वा बीक्न कारक्क्किकाअवस्था।। क्यान वर्षे सङ्ग्रासकार व कृत्यकां विशासनातः पान्। विशेषिको कारक्षितदानो क्रेंबा इनेडमाँ सन्ति पत्रम साधुनि।।(10

## ।। श्री भगवत् भागवत-संकीर्तन।।

नाधासर्वेश्वर अवतार, हंस सम धुति-मत विस्तार। धानक समन्दन आदिकुमार अवति समाधन समहकुमारः। श्रीनास्दनुमि परम छदार, युग्तामाम जय करत विद्वर। राधासर्वेश्वर सुन्धारास, श्रीनिम्बारक श्री हरिष्यास।। श्रीनावविक्त हरिधिया पास, पुगल किन्दोर रावा सुन्यानः। जय धुन्दावन जय यमुना, जय वंशीवट जय पुलिनाः। जय प्रम्वाना जय-जय रखन, जय-जय श्रीकृष्टावनमान।

#### ।। पद-संकीर्तन्।।

**प्रदेश** 

यत्रण कमल की धीजिये, सेवा सहज एसाल। घर जायो मोडि जानिके, सेवो सदन गोपाल।। ध

मदन गोपाल क्रमण तेरी आको। वरण क्रमल की सेपा वीजे, वेरो करि क्त्यों पर जायोश धनि-पनि मध-दिश शुत बन्धु, धनि जननी जिन गोद क्रिलायो। वनि-वरी बरन पलत क्षित्य को, पनि गुरु किन हस्पित सुनायो॥ जे नर विमुख मधे गोविन्द को, जनम अनेक महादुस पायो। बीमह के प्रमु दिको अमय पद, यम करूयों जब दास कहायो॥





श्रीनिञ्चाकं परिषय् श्रीनिञ्चाकं प्रतिषय् श्रीनिञ्चाकं प्रतोत्सय निर्णय संवत २०७३ ३० मार्थ २०२५ से १९ मार्थ २०२६ सक



	जैत्र शुक्ल पक्ष, संवत 2082								
दिलांक	पद्य	महर्	Mila	वालोहरूव					
20	मार्गी	নটি	-	विद्वार पर संक्रम्स प्राराभ, बीनवास्य कर स्वापन प्रायः 6126 से १८:25, व्यक्तित पुष्टी 12:28 से 12:56 सक, करवारोपन, विक्री कार्तिकियेक्त नव विव्यवस्थायेक, प्रशाह स्वयं एवं विविद्यान्त्रिकेत्रव्योक्त्याः वीकेत्राक्यमुक्तिकी कर करोगस्य					
11	मार्च	स्रोग	2	किंचना					
1	<b>888</b>	nibyt	1	गयन्त्रैर क्लोहरू. ब्रीनस्थावतर कक्ष्मी					

3	क्रांटिन	de.	*	श्रीकृतः समयोः होनिध्नाक्षेत्रेकमोक्ता होत्सर्वत्रयाचार्यं जी पर पाटोल्ला
ь	अप्रिक	तिव	٠	विश्वकारिको सहाराज्य नामक स्वतिका चामकन् होगाम प्रकारक प्रश्नाकोत्सकः क्षेत्रासम्बद्धिः स्वतिक्तकः, स्वताव पूर्णः क्षेत्रका सामक पाठ-क्षी गोनाकाताल की बीधकी सुगीत्व की पूर्वी जाते. शिक्तिका, प्रशाह कार्य शहराः, स्ववदेश सेव, असकृत प्रकारकः ह कर्षः से, सो: १३६ १०२९२१ ।
т	वर्गील	मोप	10	भूगारम अक्रानम
	वर्गाल	पंग	lin.	विकल्का स्था <del>दर्भ</del> का
*	arther.	क्ष	10	क्यगोसल
17	स्रोधन	চাই	13	पृथिता, बीस्स्वनाएका वह, वैद्याब स्वान प्राटम्स सद्भावी क्षेत्रियाकेकुण्यक्तियो जी पाटेक्स एसीका महेर हो भरत्याकश्च भी प्रशास केक कृत, सेक्स 25 प्रतास्था, नाम्बर - स्टे. १७६१ 23 (४६६)

-			
में हमास्त्र	THE	T. C. T.	<b>主持有主</b>
THE R. P. LEWIS CO., LANSING, MICH.	7.00	And seed to be	the part of the

		_		-
दिनांक	100	<b>177</b>	Perfor	Table
10	nde.	न्ति	1	क्षेत्रपुणन नवानी (15 पुर्विश्वा) क्षेत्रपुणन जय संबर्धनय-को देवेकाणकानी स्वापी, क्षेत्रपणी- विद्वारी भी तक मंदिर सार्च 3.34 भागे से स्व146734873
16	eder.	<b>1</b>	3	विनिक्तां विवयोग विनयसम्बद्धार्य में या नदीव्या
10	श्रीम	2	1	इंटिन्सकंत्रातीक् सीत्राक्त्यकृष्यांनी सा प्रारंक्ता (3)
an an	क्षांज	र्संप	3	क्रमा औरत्युर्वेक्तामधी का क्रमांत्रमा, ब्रीक्समेन पूर्वे कूमी ऑप्यून्डामा में वृत्रे की स्थाप मंद्राची स्थापता क्रेस्सी मार्थे- ब्रीप्यामेनिक्सी की का मंद्रित सार्थ 3,30 पाने से औरत्र 3160000000
3.4	स्रोत	Te	n	विकासिती हुन्यक्रती, बीजाक्रमक्रमाचर्च कार्य
2.6	स्तीत	effi	16	विज्ञान अन्यान, इनकियुक्तु नक्तर क्रीक्ट्र ऑक्ट्राइट्स से क्रीक क्या विदेश सिंह
и	print.	STATE OF	20.	मान्यान, रेस्टार्स कार्यान, बीट्यांस नवले सीट्यांस पत्र बोबोर्स-औ पॉक्सिट की, सोब्या की बोबी, सीवार्य- मिद्यारी की जा कीट्रा कार्य 5.30 पत्र से के से, १७४३/१८/१९६१

## बैजाख शुक्त पह, संवत 2082

दिकास	T.	WP.	Prim	inter-
29	AND THE	n <sup>1</sup> mm	1	कार्युक क्षेत्रिकाची के बीचार की स्थान की कार गर्ने कामने कोची में महाराज को गर्जी कामने की सामेक्यपूरी सूरी, क्षेत्रमा पुरस्का में सूक्ष काम से काम ने करोब की सहस्रकारी कार गायांक्रिक की कार्यका कहिए अंगोरिक क्षेत्रम (१ पूर्वीच्या)
H	inter	<u>-</u>	3	भारतान की मानुसार कारती , पारतान के कार्य का बुद्धार , मानु, पार्ट्यात वृत्त गीराम कार्य कार्यात , पार्ट्याती कीर्योक्ता की सहस्रक कृतने का कार्याता, कार्य कीसकारह दशक की कारती
3.	4	0	3	हों आस्त्रांकराक्यं के कवरते
1	100	स्त्री	ń	विकास सम्बद्धानामंत्री हुए विकास समुद्रान्य संबंधि सामग्रे

4	듁	4 jin	Ŧ	धीगमा सम्बन्धी
	Y	ᆏᄪ	•	सीक्ष्मकर्मनेवर्धक्य सीम्बन्धकर्मने का करोहरू हो प्रकृतकाल की रही कर्म विकास स्वतंत्र कार्म क्रम्म क्रमंतात अल्ला क्ष्मिति विवास स्वतंत्रकार ।
	w w	र्गमान	•	क्लेशके स्टब्स्ट स्टेंब्स्ट्रियानको जनको अवस्थि सहेटस्य, मृत्य साम्बर्ध बाट-सोपमी सुपन गी-नास्त्र विस्तान को अवस्थ, रहेस्स भाव सहस्थि स्थान से सामने असमी माने बासकु १ वर्ष से
T	र्मा	कृष	10-	सनुपनी श्रीमक्षेत्रिकारी जी का 18 व्यां प्रदर्शनात जानुस
-1	甲	ЩN		धीक्षेत्रियो क्ष्मान्त्री इस अभिन्नेहरियंत्र सहस्राधु सकनी
T	Ť	सुरुक	Y	इससिक्टी हिंगुहुन्स्वाचनको का सर्वजन
	¥	चि	10.	मनक्त की दुनिता 'अवती, भी पुनल नाम संबंधित
(2	¥	मोम	4	पृथ्विक स्विक्ष्योकता ज्वाली स्विक्ष्याकाल पृथ्विक क्षेत्रकारमाच्या यतः वैक्षामा स्थल पूर्ति

## ज्येष्ट कुरून पक्ष संबद 2082

विष्णेक	मान्	म्हर	নিখি	क्तोत्सव
ū	Ŧ	र्गनल		करनोबा पाएका, अध्य के इस कह की पृथिया उर्वक पृष्टे माप्त क्षेत्रक सुर्वोक्टर कलगण्या पर अध्यान की करना केवा
4.4	Ť	70	1	स्मिनाहरित्तंत्र की का प्रकारतिवृद्धक स्मिन विकास की सम्मा-कृष्यकर्ण
19	듁	e)mi	1	विकास स्थापन के विकास स्थापन के स्थापन (१ वृत्यिक)
4.8	帯	75		विभागा प्रान्तारी सन
24	ï	कृष्	4	पहल (वैनोकिन्स्स की प्रशास्त्र क) १९६० को लाव की राज्याम् कर कार की पृथित १९६१ सामगा अस्तुर
23	*	गवि	13-	क्रियुक्त काम कार्यालीय और प्रमान की कार्यों है है आहे. विकेश्य प्रसिद्धान संस्कृत के प्राप्त, विकासी बना प्रस्त है हुए के की अब्दर्भ 200 है।
26	म्ह	सीव	16	िलुक्कर्याज्ञस
Ą	畊		50	अनुस्तर्भ देशकार्थं अस

	क्येष्ठ स्टूबल पक्ष, संबंध 20≋2						
				English:			
14	77	=	h	हरिक्तानां में क्रमें का वीर प्रकारी क्रमान करते हैं। क्रेसे प्रमान कर 45 में स्थानक करते जा। क्रम क्रेसे में क्रम			
3.	γ	f	1	अन्तिकार्य क्षेत्रीयकार्या केव्यक्त क्षेत्रकारकार्या विश्वकृत्यक क्षेत्र का अन्तिकार क्षेत्र कार्या कार्या को पूर्वकार को पूर्व कार्या विश्वकार कार्या कार्या कार्याकार कार्या अन्तिकार की कार्या को प्रश्न कार्या अन्तिक कर्यों के क्ष्मिक्ट की केवा की			
	T	rfin	٠	क्षेत्रिक क्षेत्रकारिक क्षेत्र कारणाव्यक्तकार्यको सा कारणात्र च अस्तिकृत			
	T	-	1	वेरेन्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार			
•	कुर	-	•	नेप्रीन्त्रपार्वकोत्। को स्थानका वाच्या को आ प्रशासका पुर्वकिन्द्रा			
4	Į.	-1		भीकृत्य करक पात मोकरी दिया ही दोशक ही इस्त वर्ण बीव्यवर्गकृति ही का गीवा मुंबल कर्षण के क्वारे अंतुत्त एक् कर्षण करका पात के उपरादक्षकरूप			
,	F	n-	10	को पहल प्राप्त सन्दर्भ कारणाव परिवाद प्राप्त को एक सोलाव परिवाद इस्तालक से सा कार्यका सोला को सुझ एकाल र पृथ्विता			
•	F	14		राष्ट्र से जीवार्याक्षणाओं जीवार्यक्षणीयात्त्राते जीवजान्त्र द विद्यारिकों के स्वर्थन्त्र कार्यक्षण को विविध्यानीत्रेत्रम् बीवजानका स्वरूप सा स्वरूपक १९ वृत्रे विद्या सन्तर्भ के स्वरूप			
	Ŧ	P	1	हिर्देश कर दर्भ का । यूर्व दिक्षा का होता देखने उद्युक्त की			
	F	ğ.	0	physics are studied a meetings of them of small afternationary of the office and acres of the second of the second of			
	7	7	П	मुंतिक क्षांकारकारक का स्वयुक्तानक व्यक्ता हुने			

कामाराम दृष्ट निवृत्ती जिल्ला स्थापन स्थापन विकास कामारी सामन सन्द्रा कामा स्थापन साम

क्षात्रक सम्प्रतिक स्वत्र का गाँचनाम् वस्त्र स्वत्र स्वत्र । क्षेत्रकोक्क सूचिक हो । सन्तरः सम्बन्ध स्वत्र स्व

	आवाब कृष्ण पश्च, संवत २०४२						
विनांक	啪車	401	(After	क्रोह्मच			
14	nla.	गृष	Ţ	होतिनक्षेत्रेद्धयम् बोक्सक्यमहरूपे नी का घटेन्स			
E.	স্থ	#Pi	7	विभिन्नत्वेतेव्ययम् विकृष्यम् प्राचनं से का प्रदोत्तव. कानुनवी वीमस्त्रात्रक्ष्मविद्याचि गरोत्तवः । १ वृष् हेरे के अल्प) ही क्रम्बाक महत्व की, ही कावप्राहेश भी विकास वाले ही की एक प्रमुख के प्रकास सम्बन्ध है अल्ल् मो उप स्थापना व			
4.2	ব্য	4Pa	12	व्यविधिनी इकाशवी कहा । पृत्तिक होने से कान्य कोन्द्रसम्बद्धां का प्रकारित की सुर्वात की नावस्त की अध्यक्त विकारणेतिकारी की का प्रीप्त साथ 5184 से 2184 कर नक भी कुछ बडक्कराय			
24	494	퍳	30	अपन्यताः देवपितृकार्यः अस्तरस्य			

	आयाव शुक्ल पक्ष, संवत 2082							
विनाम	मध	Miles.	¢al <del>te</del>	क्रतोत्सम				
Zh	Ę	गह		गुरु नवाच आरब्य				
27	व्यून	ų.	3	शिरमञ्ज्ञा पहे <del>च्य</del> ा				
4	युम्य	<b>1966</b>	9	मृष्य नवास्य पूर्ण क्षीकृतन सरका यातः स्टेप्पती उक्त की: प्रोहरमात्र की पहुरे जाने क्षीयाधारिकारी के का व्यक्ति प्रकार है को में की 1014268788				
1	वृत्तक	ফশি	ID	विक्रिक्ट के में तर है । अपने का करों में का करों सब				
ð	जुलई	effe	τ	भी देखालको पुरस्कारो एक				
*	बुलइ	후	14	विप्रयोजन को कोशनेन साह जी सोहानी नेहनी कर नीक वर्षी कीव्या शीवात : अंगे से व वर्षे संग्रं में १,७०१वा(नऽटेर्स				
10	बुलब	Т	16	भृष्यिकः प्रश्चनका सम्प्रापन-तातः, व्यवस्थानम् । सम				

	क्षावण कृष्ण प्रम्, संवत 2002						
डिन्डक	神神	401	fafter	Tellium.			
li"	थुलाई	स्=		क्षेपुरूप्तियः बीहार पाम्कर् हे लेकर प्रकार काचार्ये पूर्व विक मृहदेश कर पुराव, द्वार्यक्रमः विकासित साराध्य			
e)i	-geni	गरिक	1	वीयुक्त अन्य संबंधित जी स्थाप कुला की अध्यक्त में वीयतिका वीक्त्रपरिवारी भी का भीति कार्य ५८७६ भी :300 में विवारकारकार			
4"	राजा	नोम		धीकताह प्राह्म इस			
<u>P</u> d.	कृताई	गुरु	34	बंगाबाना, प्रिकटी अध्यक्ता, देविद्वार्थका प्रीमासन्त्रम् तरण सी नमनी सूच्या प्रक्रेक्ट की गोकाब्यका के-सुर्वाक्ट की कृष्टे कार्य विकास समाद कार्य. क्रांगाय क्या अञ्चल होड्ड क्यापुर सो, १८६११९७०) । सार्व ह करे हैं			

	शावण शुक्त पक्ष संवत 2082							
विसंक	Ŧ	聊	तिय	व्यक्तिस्य				
24	सुलाई	PH-2	2	<b>विश्वना</b>				
Z'	युगा	1[M	š	श्रुंस्तिको प्रश्निक शिवासी सेचे, सेविकाई विश्ववी श्री श्रीवालभवाको के का करासक श्रीविकानिक के का प्रकटनासक कृष्ण लग स्वीतिक का मृद्य प्रभावना ती. पाणी भी कामग्राद सीमानीविक्ती भी का सेंद्रा स्वय १:३३ के १:३० कि क्योदक्ष				
30	क् <sub>र</sub> म्म	न्य	+	धोर्मान्य कर्मनी				
	<del>-</del>	<b>ēļ</b> ⊪	r	भौतिकक्षेत्रोत्रकेत्रण शीमोदीकक्षण्युष्याचे स्थापन पार्टेक्टक १७ कृषे (सञ्चा				
7	20 <b>4</b> 150	en.	4	हीम्पल क्या बाट-बीकी क्यलाबी क्यांकी क्रम्य की वेटिका. प्रनिद्ध होम्बलविहरी हो, क्यांकु - बने के, वो 4263426070				
E	सम्बद्ध	पंचान	=	वीपनेका स्कारती				
4	समय	帽	4	धीमविका मेरक. विकास हारही				
+	marigh.	ফাশ	3	रक्षानका होयहा - 18 वक्ष पृथिय पृथ्व, शुक्त-स्कृष्ण. यक्ष्रेटी सामाने कते. यस पृथिया पृथिय पृथ्व-साम-हण. होहत्यभक्ष्यका स्थ				

भादपद	10 m		四百百	3003
- 1 C C C C C C C C C C C C C C C C C C	71	2347	31-21-	

डिन्ह्यं क	抽	41	(After	प्रानीतस्य			
10	MITTER	T	1	क्षेत्रक क्य संबंधित औं ज्ञान किया ही, राजानेतृत से क्ष्मानेत्रक जीवाजानिकृति की का बीदा सार्थ 8.30 के 2130 भी. १७२१६६ 1804			
14	<b>#</b>	Ţ	4	विविधानीर्वे ज्योषुः वीरण्ड्याद्वेषण्योते का प्रयोक्ताः । इक			
15	जगान	g.		and at Rate			
1 th	शायास	मि		व्यक्तिम्बर्धे ही सहस्य असम्बद्धः स्वीधा पुत्र चौनम् प्रतीकः असम्बद्धः क्षेत्रुच्या क्षत्रकः व्यक्षमहेन्यनः सीन्यसङ्ग्री			
7	MATHEM	r e	•	होंन से संबंधकार करना स्वर्धन संविक्तकी अवस्थि हो जुनने नांच संबंधित (कार: 10 मने सें) को सरकारणका की कार की कोटोड़ों के 4 - विकास परिचक स्ववृत्त को समय मैहासमें कार सरकार में 98,465,656			
1	Market	संग	ID	कार्केड कीम् एक नाम सम्बोधीन पृथ्योकृति			
10	MUNIC	Huber	4	विकास स्वादको का व्यवसाय करता			
h	-सम्पान	Zia.	43-	वीरिक्यकोरी सम्बेकः सीच् शास-वैकाशकोरी का पाटी सक			
-7	अगास	मुक	10	<del>च्चित्रका</del> रमा			
13	-सगस्त	सनि	35	म्हलाकटचे क्राज्यको) असन्त्रमा, वेक्सिक्कचेत्रम			

### भादपद शुक्ल पक्ष संवत 2082

वि <del>-लं</del> क	मान्	TIME	तिथि	क्रमोगस्य			
24	ETHAT	•		बीक्षण पन बंकीनेन भी एक मी कहता बीकाओंक्झरी भी का मंदिर काम 5:30 में :32 78240198 व			
2+	अगस्त	पंपर	9	वीत्रम् अवनी			
2	संगमत	Ę.	4	हिंगकील करावें			
238	physical	15	4	होत्रहे प्रत्ये संस्थित अस्त			
14	समान	म्ब	4	planed a stand			
3	mitteley	196	•	विकारिक् वेक्सी क्षेत्रकी श्रीतका स्वक्रम प्रकारकीयक. श्रीतकार क्ष्मी कुटी वृष्णका में शक्तक कोला उत्तर ज्यानी श्रीकी सक्ष्मी क्षमान का सक्तकां सक्ष्म केष्ट्र क्ष्माय श्रीवद्गालका करनी कोलक			

	Phonyme	tira	f	डीम्पल इतक पाठ. बीमर्च जॉनंत देन्द्रे ज्वन्य सुद्धा वी रिन्तामे जाने 15 के पुर, स्वपून के पात बनवावाड़ी भी रिकायकंडनर्ज
4	विका <b>ण</b> ल	गृह	4	हींपदा व्यक्तिको ध्वापती हुन। स्वीत्यकार्यको स्वा सीमोचानकार्वको का माटेकान विकास स्वहत्त्वकी
b	दिसम्बस	गुरुक		बीक्यन स्वयोः केन्यिकाकोरीड्योका बीक्क्यकोरी कः परीप्तक ११३ मृत्यिकाः)
- 6	दिसम्बद	लि	1d	ध्यमम कर्तनी
7	निश्चणम	el <sup>®</sup>	ıš	पुष्टि पा पुरस्कानस्थान-दान्  विस्तानस्थानस्था स्था  विशिष्टेक्षे व्योक्ष्मेस्य स्थानीः पुण्टिका कर स्थान स्थानस्थानस्य को होता सन्दर्भागः सुक्ता केच्या । १५३२ में , व्यापा क्रमण्य रापि ११५२ के , व्याप्य केव्य सामि १९३२ पर

	अगिश्चन कृष्या पक्ष संवत 20112						
বিশ্ববৈদ্ধ	蝴	de/1	নিবিচ	प्रसारमण			
	िस्सासार	म्।।।।		प्रशिवता स्थान्			
+	िपमानम	पंपान	1	र्जिप क ब्रन्स			
11.5	फिल्पन	कुष	4	हमीच का बाद			
П.	Пулнач	ĝъ	4	ক্ষীক অৱ			
W2	Пантан	(C)	3	पंचमी का शाह, क्यों का बाह, मैलंकवारी पहन बिहुमानदृष्य की स्प्राप्य क्यानी			
49	Frances	हार्गिन	4	एकार्क कर करहा औदिवासोकी सम्बद्ध श्रीष्ट्रकार साथा देश जार्थकी शहर कर्ना सम्ब			
ы	Pinarem	र्राण	Т	भक्तमें का सन्ता, स्वीक्त् विभावित ''नातानी व्यवस्थ का स्टांसम्ब, संब्दान वाप म्ब्यंतीयः सी कृष्य विद्वारे से इत्यान रूप में मेन्द्रो, बी-हर जार कराव सर्वत्र्येतः वाप इतिहेस्टान साले पत्ती, प्रीक्त वीक्ष जवपूर साथ ह है र सूत्री त्याः मी व्यवस्थानकातः			
5.5	विश्वप्यक	मीच	ŀ	प्रभावि वर अध्य			
E#	फिरायार	भंगा	1g	कर्मी क्ष संभा			
17	Грина	afett.		सैनिकार्ट्सिटकीयाः सैन्सीयहाकार्यस्य का वाहोत्सव । १९ पूर्व किन्स् एकारामें वस समझ			

IA	मितम्बर	da	13	ही इनिया क्ष्मातानी केंग्सल-सन्तरणी होते हमझ
19	Transmit	可能	13	प्रवादको का शहर केवान इन्हरू बाह
70	पितम्बर	गरि	10	कर्तनी कर संदर्भ राजिका संबद्धन मूर्व विकासका
h	विकास	Ç.	30	क्ष्मानका एवं पुष्टिम हाकः वर्गात्रपु हाकः देवविद्यकानंत्रम

	आश्वित शुक्ल पक्ष संवत 2082							
<u> विकास</u>	100	THE	litier	नालीकाण				
a ž	हिल्ला	लंग	•	लाग्वीय क्यराक्तम्य भट स्थलक ठः १४ हो १४: १२ वर्गियतीय स्थल १ : ७६ से १२:४४ तसा				
14	विस्कार	į.	3	आणिकामीकाम श्रीनेसकाकीकेम्ब्यो ह्ना क्षेत्रीक्ष्युरेककाचीक्षे भग्नेन का 'व देवांच भ्रमेंकिक्षा को द्रम्यान्यनं को कृष्ट विकृति को कोई औं कर जब प्रवास करेकोनी नाहा हुनिस्टल बाली कर्ना, टोक मेड्, क्यपुर आर्थ ६ वर्ज से मी, ११ ८१०१११८६				
de	हिन्त्वा	ŧ.	*	धीयमान मार संबोधित (दी दिवाको गोदन को संबोधित इतिस्तानोत्रिको को का भवित सम्बोध के 7 को नव मी 7793042368				
3-9	मितप्ता	योग	7	बीम्समार्थे आवाह्य (मृतम् स्वाक्या)				
MI	मितम्बर	यंगहर	Ţ	धीरसमाजि पुरुष पूर्वकराम पुरुषी				
•	शकदकर	į.	4	विद्यासकी विधियान 'क्रमाह अधिकार, जनगण समास्य विद्यान राजक एउ-कोको कुकार वी-माध्यान के कर्की बाले. वीयकोषिकारी के कर बीठ बकारक र करे से मो ४३७७४८४४४८, वरस्याठ जन				
4	शस्त्रम	मृष	16	श्रीविक्तवस्त्रास्य रक्तवताः श्रीसुद्धांक्ष्यदे स्वांगुत्र पून्य स्वयं पूज्यः श्रीसम्बद्धते विसर्वतः । ब्राह्मीय विकारकेताः विस्तासः स्वयंत्रम् सम्बद्धम् श्रीदास्त्रकाले श्री स्वयंत्री				

राम कृष्ण रसस्य हैं इनमें कभी न भेद मधीदा जिलासियोंने, शुरुषा विकासण देंद

1	anala-	सुक		क्षीप्रपाक्ष्मण एक वागे कर क्षेत्रणं ती ग्रामण व्यक्ति पर्योक्षण आक्षण क्षेत्रणं प्रकार संस्थित क्षाः १ वर्ण से हो गोक्षण क्ष्मण की कृषीभा की दृद्धी वाले विकित्य क्ष्माद कार्यी कर्ममान स्थेत क्ष्मणे गिद्ध क्षाम् में १९७१
4	शास्त्र कर	pr <sup>©</sup> r	·I	मान्द्र कुर्तास्य नाम कृत्युन्त् सैन्द्रियः तंत्र् सार्वत्रः वीतन
1	सस्बद्धान	THE	14	मिनिक्कां मेराबीका बीज्याकामार्थ में का प्रकोतन्त
4	head, he	ép a	74	रगका कुँडीना कुछ। सारोकात कर पृथिता कर
1	parents.	H-PP	15	पृथितः वार्गीय कान प्रयस्य श्रीकारनाम्बन्धः पृथितः श्रीकासमेवीयो कः प्रतस्थासम

	कार्तिक कृष्ण पक्ष, संयत 2082							
दिर्म्मक	ľ	100	निधि	prin-pri				
10	असद्बर	<u>sim</u>	al .	करणातील कुर - कस्तुद्वा सहित् हु.३५ वर्षे				
7	-	4	5	रिक्षक क्षेत्री हो एक्क्स्मान की क्षेत्राच्य क्ष्मांक्ष्मा-हों इंप्यान एक भी क्ष्मानिकारी की प्रेजी - क्षीनिकारी हो एक क्ष्मानां आचेत को निक्षे कार्य के पाने को १९७३। क्षण्य रूप				
	अक्टूबर	PT <sup>©</sup> r	3	हरेनिकार्ययं कर्याचा अभिनेति श्रांक्यार्ययं यस वश्रोक्य प्रयोगिकार्याः से सुकटनकुत्रः की स्मृतास क्यान्ते अञ्चल				
2	parin-	TÜ	٠	कृपन पाप प्रविश्वित की कल्लान प्रश्नम में लेक्नीकल इनेक्सबीविद्यारी की का कींक कलां 3 के र करे तथ भी एक 40,00%.				
18	अस्याहर	rinje.	Ŧ	होति विकास हो है के किए हैं है जिस्सार की विकास हो है की कहा है जिस है है कि कहा है जिस है है कि कहा है जिस ह समझ है कर म				
13	anaga.	ē.		विक्रिक के के आरोजुर नो कारण शहर वार्थ की कर http://www.				
	Presiden		•	धीरमा स्वयस्ति हरः औषिकाम्बोबीतको हर जिल्लामानुस्कृति भी का महीतक				
111	म्योक्यत् स्तर	1 to	-02	हर्गायकः क्षीत्रमुख्याच्यीकृतः प्रवेतकार्यकार्यक्षः क्षीत्रिक्तकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्य				

1+	क्यद्वा	गरिं	3	धीकनानांने काली. एवं वर्तानी
30	in the second	e e		वीम्मुरणक्ष्मे पुजन होस्याक्षिक प्रहेनकेलायम् क्षेत्रंकातः वी-क्षेत्रकोत्सान
	अन्तर्वा	r inse	96	जनसम्बद्धाः देवनिवृत्वानीऽव

#### श्रीनिष्णाकं परिषत् द्वारा सप्तिनिक्तः जिनिष्णाकं जकती वाहेत्सव के कार्यकर्षा को सुवन्त नवा जकर पृथक से उपशब्ध वाह्यं प्रतिनी :

	कर्गतेक शुक्त पक्ष संवद 2082						
दिल्लीका	T	<b>30</b> 7	तिनीय	कृतील्ला			
20	<b>Heartal</b>	<b>₹</b> 0		கின்னது அற்றை நிரிவிரும்			
20	arene, ma	Ţ	I	कार देशकेक कार्य दुव			
14	क्रमण्ड् सम	77m	3	स्थानमध्ये स्थान स्थित् स्थानमध्ये स्थानम् अस्तर्भे संस्थानमध्ये			
14	<b>म</b> ाद्व	πि	5	सामित्रोत् अनुस्तान्त्राकः सी नामाना भी चानु ती अञ्चलन विकासीनिक्ती जी का मीता सम्बंध को राजने का भी साथ स्टब्स्ट्रास्ट्रास्ट्रा			
74	marin.	An.	ų.	गोसक्ती वर्गन्यवः नी पूजन			
50	ATTENDED	·ም	₽	श्राम्य करनी अधिकाराक्षे स्थान्य द्वार अवस्थित अधिकाराक्षे स्थानी अक्षेत्रक अन्तर्भा द्वार स्थिति और स्थान्त स्थान क्षेत्रक क्षेत्रक स्थान की सुर्वतिका स्थानी अक्षेत्रक (व क्ष्मिकार्य की योक्ष्य क्ष्मा की सुर्वतिका स्थानिकार स्थान क्ष्मा क्			
•	AFRICATI	PER	ę.	कारने का तब्द का कारका किया, क्षेत्रण व्यानाव को सकारी। कार्यों. 14 कृतिक्षण औष्ट्रण कारक कार-वीच्यों की स्व वी-स्वानकी की हो की कर्ज क्षेत्रकों कि की कि विदेश प्रमाण द करें थे. की का 14805 कार			
£	Ī	नि	2	क्षेत्रंत्र प्रकारिको प्रकारको प्रशिक्षाः क्षेत्रुवर्गो विकास अभिवास क्षेत्रकीयन विवास प्रशिक्षिण सार्च ३ वर्गे से, प्रोक्तक क्षात्राची			
1	-	भौप	-13	वर्षण्येषु स्रेपाल बीपालाच्यी वार्षण्य कवा लिपाय निवि स्रिकेष्ट्रण्य कहारणे का कम कृष्णिक			
4		अंच्या	ч	और्वेन्द्रमा चार्राली कर चना पृथिक			

ग्लामा	W	16	पुर्विक कृत्व काना करा. सामाकार्व सीरावाको परावार का
			<ul><li>162 वर्ष कालो स्थालक केल्ला हु (क्लोकालो क्लीका</li></ul>
			काम पूर्व क्षेत्रिकालं संस्थान का स्वाधिनेक अवसं सर्व
			श्रीकर्णेका संबं काम जाकरोटा क्रमः र कर्षे के

# सार्गकृषियं कृष्या प्रश्न संस्त 2082 बाव बान दिर्मय स्ताप्त स्ताप्त

Towns

	- -	ų.	-	इंग्लिक्सेन्डरीक सेहीकार्यकार्यने का स्टान्स । कृष्टिकार
ē	नेवालीर	Ę.	Ŧ	क्षेत्रकेत्रामा विकास का अवस्था क्षेत्रक स्थान के पृत्रीकत्व
In	-	ŧ	Т	हिरम्बाक एक। स्वीति का स्विति का
		N/H	4	Rejiganijant
10	Telephone	पुत	36	श्यासम्बद्धाः देससार्थः स्थ

#### मार्गर्शाचं श्वस पक्ष, संवत 2082

	-						
বিশক্ত	H.	मान	रियमित	क्रतोत्सम			
1.3	THE PARTY.	al <sub>t</sub>	3	वेत्यत्वाचन विभिन्न वेत्री असीवा वीत्र सम्बद्धान्य वेत्री का नदीन्त्रक			
4	गणन्त्रस	TÎ	J	हाराधिनीते सम्बन्धितः प्रकारक श्री उत्तरकाषणायान्य विकेश्वास्तरकारकारकार्यक्री श्री अस्तरकारकारकारकारकारकारकारकारकारकारकारकारकार			
10		H	_	मेरक्याची केवा पहेला जाए सेनीनेक्स में पहरण का प्रकारिक			
14	TOPING	eri≏	4	शीनुसन करक पाठ केंग्सी रेका की उपना की उपनान विकोध काले ओकावीकियों की का बीधा करकाड़ / कर्ष में भी कर - 1 30			
•	िसम्बर	सोग		श्रीमंत्रसा प्रशासनं कर जोताल सकते अकंद केप्सन पान संबंधित पान: 14 पान है; की नावित्रसम्बद्ध के संबंधि कर्तार वे, 34 जोतिकस्बंध निर्मुच विकास की विद्या के बीचे विकास कर जैपादत कर्युट के 4782024457			

1	विद्वास	нп	12	वेक्सें क्ष्मान क्षेत्रवर गमनी, सीव्यक्तन हुन्छले अवांत्र सीवृत्यन गम्प स्थापेतंत्र प्राप्तित को १८३८४ । ४३६
4	fi,I	44	=	वृद्धिया कुल-सार-शतः श्रीतकसारका प्रत

	पीय कृष्ण पक्ष संबद 2082						
विच्या	सन्द	का	निधि	4000 (400)			
1	ीहरमा	TT.		विभिन्नका अर्थनेकार्यका विभागकार्यको स्थापन विभाग इम्पिन्न क्षम क्षेत्र को स्थापन विभागकार्यक्रीकारण को सामग्री			
Iđ	दिसम्बर	मून	*	हिनिक्क्य नर्वकेन्द्रकोकः होस्त्रीकामा विकास केन्द्रको । का कटोस्टन			
14	জিলা	T	10	धीयमञ्ज्ञान संस्थितेन- भी प्रमुख्यात को स्थानीय की हरती प्रीत्मानीनिकाणि को एक संबंध सम्बंध के र स्थाने तक भी अक्ष्य का 234 का			
H	िक्का	dip.ex		क्षेप्रस्कार पुरस्कारी का एवं श्रीक्षिक को वार्वप्रेतकां कर क्षेप्रकारम् को का कड़ेन्स			
19	Transit	ų.	źσ	प्रयासका देसपित्साची जा			

	पीच शुक्त पक्ष, संवन 2082					
विन्द्रक	Here:	mir	क्तिव	इसीस्ट्य		
17	Tonwo	пP	7	माना औरक्यनस्था की नहराज व्यक्ति क्लेक्क		
411	हिल्ला	T	+	होतिकव्यक्तिनेत्रेत्वत्योक्तः होत्तान्यस्थानकारेत्वकारेत्वे का प्रकासका संपूर्णाः प्रकार प्रता होत्यते ससंग को । हो स्थान स्ट्रा को विद्याल असारत्यक्ता स्ट्रां होत्स्वतिकारों को हा प्रति प्रकाह र संगे के में १७१० १९९७३		
24	विह्नसम्बद	Tire	-	पाना इक्कानी, एक प्राप्त प्रसम्भ कर्मानीत् श्रीन्यूक श्रीन्यस्तुत के क्रांतिक क्रम्म निर्माणक निर्मा		
21	दिसम्बद्धाः	of the	•>	नेका संकर्णा - नेक्स्पिट सन् म आक		

सन्दर्भ काम से जीव करा, हरिः प्रामा भव-कर्ण प्रभू सरमान्य हो। सरमा कटत काप्ति कर अन्य

4	ক্ষেত্ৰ	नुक	17	र्जन्त् अहाराजाचे जीवाच्याका भी व्यक्तान का श्रीवर्णन विवास. पोलप्तनको पहत स्रेष्ट्रात्काटकाको पहता र स्पृति महोत्स्य (१२ पृत्तीस्त्रा होने से आक्ष
3	जन वर्ष	मणि	C.	मृजिय मृत्य स्थाप तान, श्रीक्ष्मप्रसम्म <b>श</b> र

	भाष कृष्ण पक्ष, संवत 2082						
विक <b>ंक</b>	RAIL	1	Pářa	वालीमसण			
ð	उसकारे	ह्यांच	£	सम्बद्धाः क्षेत्रिकाकोक्ष्येने स्वर्धका वीतासाम्येकाहा गरेकाकाचे क्षेत्रिको सहसाम कृत स्थल निवहतः हर्गद्धासम्बद्ध			
10	Section 1.	Ę.	T	करमुह बेराक्यराक्य से उपले			
	<b>19711</b>	40	Ģ	वीपुरल कार संस्थेतंतः क्षं जाकरंत्र की प्राकृत करते. बीरक्योविद्याते की का महिल कुलां हु के 7 कर्ष कहा भी-: कारका 6515व			
1#	कामधे	मंगल	60	व्यक्तित्वम् व्यक्तिस्य व्यक्तिस्य व्यक्तिस्य व्यक्तिस्य स्थानिक्ष्याः स्थानिक्ष्याः स्थानिक्ष्यः । विकासिक्ष्यः			
14	कामर्ग	न्य	Þ	क्षेत्रद्रश्रीका कृष्णदर्भा कर्म प्रकार कंद्रांकी सुरक्षणदा करण १९३३ में सुरक्ष १२९८ समू			
16	क्याबर)	Дē	72	विश्व प्रदेशकी, क्षील्पिनकीहिन्देशेष भी क्षा प्राच्यकीहर दक्षिण स्थान			
ıT	क्याहर	PE	11(-	औष-कर्वाकर्षकर्याकः श्रेक्तपहरहवार्यस्य का परोक्त			
16	स्तामार्थ	र्गान	15	माम्री मीपी असवस्था विविध्यवसर्वतमा			

	भाष शुक्ल पक्ष संवत 2082					
विकास	mal.	101	Perflet	क्योक्टन		
23	भाग वाहे	स्कृत	2	श्रीवस्त्रांतस्य. श्रीमण्डली पृष्य		
24	39 NO.	<b>চটি</b> ।	4	व्यवस्था अभिवास विशेषकीया हो शिक्तामकांकी हुन व्यक्तियम स्थित्वस्था के के क्षेत्रकार्य की या कहोत्स्य की को किस्सार हो क्ष्येत थी अपनी स्थोपन हो। विश्वक्रिकी हुन् क्षित्रकोत्स्य कृत्या है होति। कर्नेद्रकार की या उन्हेंस्ट (८ पृत्विद्धा होने से १००४)		

24	क्षकर्मी	eri*i	•	बास्य पहुंचे क बीयवृत्यायम् सी चर्केन्स्य की पीयामस्त्राम् सी-बीनाचे सुरीत्व के पूर्वाक्यों स्थितिक, सुरूट कार्स. वर्षायाम् अपने अवर्ताः सेष्ट्र कार्युट सार्च ५ करे हैं को १७७१ वर्षाय है (४ पूर्वेचेक्स क्षेत्रे के आप)
25	<u> 위우리</u>	ŧ	7	रण क्यामे. व्यवस्थ सम्बद्धितंत्र- भी श्रातंत्र्य ब्रुवार यो क्षित्रकेलकरेर क्षेत्रकोशिक्षणे भी का धरित्र लाव १ में १ क्ये एक मो, ७१४२३३४४१३४
28		ų)=x	4	संग्य उपेश
2:	चक्क्षी	संगम्	+	व्यव्यान इसका पात-विकास संब् जी-पाताबाद जी अञ्चलक जीवन्त्रीविकास की का विदेश क्षाव्याह र वर्ष है। भी. १०२४(१४४)
39	नक्सी	सुव	h	कोजमा प्रशासनी का. महत्त्व और्पोकिस्ट्रास की महत्त्वत का कमोलग
39	भक्ता	on the	12	श्रीक्षणेदम क्रमी से प्रमुख म्हेंत्र प्रदेशक
	पराण्डी	विष	16	मृत्तिक पुरुष-स्थाप-सन्, जीक्क्ष्य-साम् तत्त मान स्थान पृष्टि

	फालपुन कृष्ण पश्च. संवत २०६२					
विभाग	met.	Bett	Perfect	प्रशासन		
ь	क्रमचर्गा	शुक्त	à	क्षेत्रकलान्द्रः तेन्द्रंतः वृन्द्रनय में एक दिक्षीत बीम्कुन्यमीके बहुनामा प्रदेश		
1	प्रसारामी	전1		शीक्तर कम क्येपेतंत औ स्थेष क्यान थी. वेग् भी कमोलवाल, ऑफलोर्वेक्स्मी को का महित साथ ६ सं २ वज क्या		
S.I	यम करी।	मुख		व्यक्तिकार धूमा क्षेत्र । क्ष		
6.0	कानती	सी	i#	क्षीमकृतिनकः। के क्य		
77	ध्यान्ती	rine.	30	सभावतमाः देववितृकार्याः व		

वैकाकता भारक करे श्रीतृलसी कल-मासः। गोमीमन्त्रक-सिनक हो. इतक कठव थव-बाल ॥ [हुन्]

<b>फ</b> ाल्ग्न	<b>1111111</b>	THE	भांसन	and.	er to
الدأمنا التاح	श्चिता	447,	Han		

	m. T. Charles and a manage					
विकास	蜡	ŧ	শৈকীয়	चलोक्स		
	मदवरी	मि	4	शीक्यकोत्रपंगेलयीक् शोविक्यकरेती का वटोसव		
2	फार्गा	南	5	की स्थान अब सोकी हैन और कर्ताका है औं आ कुन कार्य. • अन्यकृत नगर क्षेत्रकारक शेव संग्रम पैरा क्ष्में के पात अन्यक्षेत्र अन्युर साथ अ के 2 वर्ष तक वो. १८३०,३८५३६४		
15	मत्रवर्षः	áz	g	क्षणमान होते. श्रीकृतम इतस्य पद्म-क्षणमे हेवा जी- ही लिएन क्षित्री। भी तिस्त्र- भीधम, कुला लेख सीनामोशिक्षणी के का मंदिर कायद्वा 2 वर्ष में मो १९२३वर १३वर		
24	मसक्र	मुख	10	শ্বনাৰ্গৰ প্ৰাণ		
Ш	मलकरी	tri <sup>p</sup>	12	क्षेत्रपंत्रकी राजवाने 🕥 मुस्तिको जीन्यर स्थापनानी संस्थान होते.		
7	H.	लीय	14	होनिकारको हिनियार राजने तथि २५. १० पात्रको होन्यत्विकान्ति कृति मृत्याचन में कोन्याल निकान होत्रके कीत्रक (कार्य ८. १० से ८ ५८ वर्षा)		
,		<b>धे</b> ग्ल	15	हिंदिक हुएक-इस्तर-तान होंदिकासमाध्यः इस वृधिकान (बार्वको) टोलोक्यक, से विकाय प्रकृति क्यानी स्वयूक्त स्वयूक्त क्रियाका कृत्य स्वयूक्त स्वयूक्त स्वयूक्त स्वयूक्त स्वयूक्त सन्दर्भकाण स्वयूक्त स्वयूक्त ६:55 से. पार्यक्रम १८:30. क्यान स्वयूक्त १८:37		

## भैत्र कृष्ण पक्ष, संवत 2082

•					
[देन्स् 	田市	e Pi	Ma	<b>मालास्त्रम</b>	
4	मार्थ	T.	h	हेर्नातस्य, क्यम्पेकस्य	
3	oliton.	Ę	2	होनिककोवार्वपेकवीका होगागलभट्टवार्वको का पर्यास्थ्य	
4	Mq	輔	3	हिन्दिक्त को अने में उसके हो जो ना मुख्य की का करोगा।	
3		€	5	हिंतुनाम सप्त क्षेत्रीतंत्रपृष्ट एक्स इस्टेन्स्य-ही स्वत्रव्यक् भी कटार्स करते. प्रकार में, 2000 क्षेत्रकोतिहरू भी का वेटिर सामें 5 से 7 कम सब्द को उसक्षात्रक्षत्रक	
12	मार्थ	<del>चित्र</del>	1	श्रीकर्गावेगां क्षित्रं कृष्णहारी	

j.	मार्च	संप		वेरि-कार्यकर्षर्व्यविद्या क्रिक्टरम्ब्यूकार्वर्क विद्यालकार्यवार्वरत्याचे क्षा क्रिक्टरस्यूकार्यक्ष्यव्यव्यक्षेत्रस्य वर्षभूषि क्षात्र क्षित्वविद्यक्षये व्यक्तित्व कृषि अविद्याः स्थापन
19	माच	गुज	26	लय बामा देवपिहकार्वाच्या. विक्रम स्टेकस्ट 1082 सूर्व



## श्रीनिम्बार्क परिषद्

## संरक्षक सभा

अपिपहन्तः श्रीवृन्दाकनस्त्रितरी दास बीन्कविया, सुकाचरः बंग्वल

- महना श्री बनवारी जाल्यकी श्रीगीत्मानानी का मंदि। कुस्मी सकारका
- पहल अन्यस्थाकत्त्वकार्यो शास्त्री, ओअली यापुरी कृती वृद्धावन
- अञ्चार्य पद्मापंत्रलंडकर अधिवंतत स्थाम्मो अधिकदानाम्मात्रकत्चान्यार्थं जी।
- 5 महन्त औ सर्वेड्यरहारण भी, भी भौतम क्रांचि अध्धम वृष्टाचय, निम्बाकंत्रंत सामयनायला
- ६ महन्तर्श्वरचतुर्भुतदासको दूदू
- 🖚 डॉ. श्री किस्तु के अञ्चार्क चुन्दायन
- महन्त अधिकोणेखन्द जीस्वाधी, पन्दिर ओकामोणिहारीची, पपपुर
- महन्त स्थामी और अलोक कुमार लर्म्स की, मन्दिर श्रीसरस्थिकारी की, कलवाका, जक्पुर
- 10 <del>वी स्थापनस्था जी पीतिस्था जवपुर को. 988</del>7055678

कालकार सति प्रवास है, करना सबको लीक राज्य-पोगी-रंक सब. सरण काल-आसीन



## श्रीनिम्बार्क परिचद्

#### कार्यकारणी सभा

चरमाञ्चल्	अन्याचे सङ्गालंबस्तेत्वर ।लेलंबर स्टब्स	ी भीपक्रमाभग्नरजदेवापार्य वी
Specials.	देवेकसङ्ग स्थापी	제1± 9414073893
	चन्द्रींच्यारी सोन्द्रमी	मीः १९२१७७६६५०
<b>TRANSPORT</b>	वामान्यस्य अवद्यकातम्	मी:: 982905025#
महाध्र्या	स्पेन कर्ना	मी ३४२५४२४४५
श्रीगंडन अंश्री	सम्बद्धां अस्तराज्ञ	भौ <sub>र वर्</sub> क ४५ ४ १ ५ ४ १ ।
प्रधार मंत्री	राजा मोजून माहेरवरी	मीत 944 (81770)
	कुलाविद्योग पुत्री करने	मो. १६३१०६७६०६
स्वद-मंत्री	मन्द्रव <b>कात अ</b> प्रवस्तः सर्वा <b>व्या</b> नी	मीत १६२६७६४५७६
	देशभी अध्यक्ष को नी	भो - १९३६३०७६७०
सहस्य	भुरस्तो सन्देशर गोक्स स्तामकृत है	मीत 9414970947
	धन्त्राम सङ्घ्य तोष्ट्रीकाल	मी. १५७५७१० ५६
	सासबंद अञ्चलन	गीत 9628988894
	कृत्रकारिताहाची परिन्दी	भो 🗠 १७७ वस्तु ५६ १५
	को गोल कन्द्र हर्गा	मीत 9857687070
	discussion?	मीतः इस्कृत्यस्थानमञ्जू
	र्जाबनवस्तव पीडसिया	मी. 9314585883
	महासी लवी	भौति कार्यक्ष ५३३५५३
	बर्सन बैगली	यो. ७ ।4417253

4विविव्यक्ति अन्तरं व्यक्ति

क्षीं विकास में भागित भागात

आकार अंतरने सुनीता पुर्वा वाले को, १३३ १९२५ १ व्यवका औरनी कुरता आह्याल अभाष्याक यापन मन्द्रीयो थी. १९३१०५४ । ८६

HARM MINN

संबोधक संबंध लगा को लाखार करा।

哺ご あかきかんまかんち

ा क्षेत्रस्थी कुलै विकास विद्यान



॥ औध्यवदिक्यवांक्यवांत्र परः ॥

Krishanbihan Modi. 9351667070 Mukesh Modi 9829057070 Kisher Agarwai 9829012325

# भूमीजा शेयर ब्रोकर्स

8, 5th Floor, Upasana, Fower Subhash Marg, C. Scheme Jarpur-302 00" (Plajasthan) E-mail bhumijatnyestments@vahoo.co.in

#### ।। संपनेको विकासंस्वयम्



**सीध्यम्बीतम्बन्धीयार्थायः स्थ**ः

ġ

ad Chard Agerwal 931 40-05899

Aren Kumar Agarwad 931 45 05880, 98293 | 2323

> Arried Kurter Agerwal 98290 - 2574

#### **GAPPU LAL RATAN LAL JEWELLERS**

Deals in Sigmond, Kunden, Previous Jewellery

al Kasia. Haèdiyon Ke Rasta Johan Razar Jaipin .∉02003 Tel 0141-2575037 Email tool atunagarwal@ediffmall.com होक्सीको कियाने स्वयः

Ram Babu Apraval C. P. Agrawal



ा भूतिका स्थापितकारको साञ्चीक प्रकार

M. 9828 84978 8464 51 69 7976564493



## Kanhaiyalal Laxminarayan

Manufactures & Exporters of All Kinds of Marble Idals, Stature & Handicrafts (terms.

A S4 Khezene Water Ka Sasto Zeipur (0) Emai: rp2 8 @gmail.com

#### Shree Nimbark Creations

2000. Kheyro Ka Rasta, waipuw-20200° "Raj. Mobile | 6350685409



**्रिक्टि**को चित्रकोतालः



। श्रीभगविष्यक्षीमार्थक वर्ष

**Sarymenh Soni** 9785596087



## SMART PRINT CORPORATION

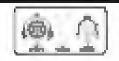
Deak: In

Printer Cartirage Digital Photocoper I Lamination & Spiral Machine, Pvc Cardo - Laser & Copier Toner Powder Photo Glassy Paper | Dregon Sheet Copier Photo Copier Paper Rim A4 See & Printer Spare Parts

p Gerand Kripp, 3rd Crossing, Uniyasan Ka Reats, Jasper (Reg.),

।। इतिहासिकारे किलाको स्वाप्तः ।।





ा क्षीत्रमान्यविकासस्यतिकार्यात्र स्था<sub>तस्य</sub>

नबीन जमा

07737421270 (S) 0141-4025369

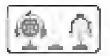
## आर. के. सन्स सिल्वर आटर्क

विवृत्ति :

हुद्ध कांदी के बर्तन ( फानी, किनास, फिना फैट, लेमन फैट ) रिक्ट आइंडम ( फोटो फ्रेम, मेनारान, सुपारीदान ) सुद्ध बांदी के सिक्के व मोट ( 50 पा. 20 पर. 50 डा. 300 पर. ) मन्दिर सामान ( सिंहासन, ह्रिला, क्यर, दरशाने बोफी ) एवं सभी एकार के जांदी के आर्टीकल्स इसे पूर्तियों के निर्माल एवं क्रिकेता

1332./9, बरबा हरीक्सभ्य भर्ता, चार्ट्सिस बाजार, बब्बुर ( शब्द.) प्रोप : 0141-2311945 (बीसट्टी)

() हिन्तीयां कियमोत्राह् ()



। श्रीभगविष्यान्त्रीवार्यात्र स्थाः

सुद्धिन

शहिंग

The Complete Man



( लेकिज शॉल, लोई, कम्बल एवं सेन्चूरी कॉटन बोती जोड़ा )

Authorised Pealer

## मोघालाल मदनगोपाल

175, Johan Bazar, Jaipur-302003 Mebile : 9414718116 u abellen fisankeren



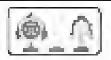
त वीध्यमीस्थानतेमधीन प्यः।



We Arrange Coloring for Marriages & Other Parties

40. Siturem Beser, Brithmanni, Jelpur-349000 Mob.: Roomas887, 934(505803

। क्षेत्रकेंगां कियमंत्रकाः।



। श्रीनगर्वविष्याचीवार्वाच स्वरः ।

adhika Impex

Manufacturers & Experiens, Whole Sale Suppliers : All kinds of Zari Border (Brocada) & Embroldered Art, Sile & Printed Bed Cover, Cashion & Bay etc.

Specialist in ;
Cotton Hand Block Print Bedsheel & Cotton Screen Bedsheel.

207, Near Madhe Vilas Putyo, Brahampuri Read, Japun 302002 (Rej.) Mathie : 941,40673.35

Emust : radioiusespen@gesall.com, radioita 2007@wrtmail.com





।। क्रीस्टब्स् केंद्रके विकास केंद्रका (स



। होक्यानीयक्रमांक्रमंत्र २०: ॥

Mol. 9314505803

8000025B87 9509912342

# Prem Kuni

Promoted by Live Bairong Events

Available for Besking of £ Marriage, Birthday Killy & Many More Parties

Prem Kuni, Event Garden, Sector-2 Road, Vijny Bari, Vidyadher Mager, Jeipur-302032

Koshava Pitaliya

- PR 1961005804
- ·#2-9509912342



The election bequeen grown is



Manufacturers & Wholesaler of Kurtis, Palayso, Pants, Skirts etc.

De Mari Hargier Dentemen, migrar-192012 (Rajamban)

Email: sinepulmentment/spinel cam-

Welselle , www.vinayueeestures.com